घाघ और भड्डरी

की

कहावतें

देवनारायण द्विवेदी

प्रथमावृत्ति—सितम्बर १९५७
द्वितीयावृत्ति— मार्च १९५८
तृतीयावृत्ति—सितम्बर १९६१

मूल्य : २ रुपया ५० नये पैसे

वाणी विहार
नया दाम
२-५०

प्रकाशक—वाणी-विहार, वाराणसी।

मुद्रक—के० कृ० पावगी, हितचिन्तक प्रेस, रामघाट, वाराणसी।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
सुकाल	१
अकाल और सुकाल	३, ३४
वर्षा	३, २६-३४-४९
पैदावार	५
जोत	६, २४
बोवाई	७, १९
ग्रहण	८
शकुन-अशकुन-विचार	९
यात्रा	११
दिक्शूल	१३
वायुपरीक्षा	१४
विविध (विभिन्न)	१७, ८३
भूरा, मँहगाई और दुर्भिक्ष....	४४
नीति	५३
बैल की परख	७७